हेनरी लैंडविर्थ (1927-2018)

एमी नाम की छह साल की लड़की कैंसर से मर रही थी. उसकी सबसे बड़ी इच्छा "वॉल्ट डिज़्नी वर्ल्ड" की यात्रा करने की और मिकी माउस से मिलने की थी. ऑरलैंडो के एक अमीर होटल के मालिक हेनरी लैंडविर्थ ने फ्लोरिडा में एमी और उसके परिवार के लिए एक होटल का कमरा उपलब्ध कराया. पर इससे पहले कि यात्रा शुरू होती एमी की मृत्यु हो गई. एमी की मौत से परेशान होकर हेनरी ने अन्य गंभीर रूप से बीमार बच्चों की मदद करने की कसम खाई. उन्होंने खुद के धन के दान से ऑरलैंडो में "वॉल्ट डिज़्नी वर्ल्ड" का आकर्षण देखने के बीमार बच्चों की इच्छा पूर्ती के लिए एक संगठन, "गिव किड्स द वर्ल्ड" का निर्माण किया. आज, "गिव किड्स द वर्ल्ड" 51 एकड़ का एक ऐसा रिसॉर्ट है जो हर साल 7,000 बीमार बच्चों और उनके परिवारों के रहने का प्रबंध करता है.

उनका बचपन

हेनरी लैंडविर्थ को अच्छी तरह पता था कि मौत का इंतजार करने वाले किसी भी बच्चे को कैसा लगता होगा. 7 मार्च 1927 को बेल्जियम के एंटवर्प में जन्मे हेनरी बाद में अपने परिवार के साथ पोलैंड चले गए. जब हेनरी 12 साल के हुए तब तक जर्मनी में एडोल्फ हिटलर ने सत्ता हासिल कर ली थी और पोलैंड पर आक्रमण कर दिया था. हिटलर की योजना यूरोप पर राज्य करने की, और वहां की यहूदी आबादी का सफाया करने की थी. हेनरी और उसका परिवार जो यहूदी थे, गंभीर खतरे में थे.

आक्रमण के तुरंत बाद, हेनरी के पिता को नाजियों ने गिरफ्तार कर लिया. एक साल से भी कम समय के बाद, हेनरी और उनकी जुड़वां बहन मार्गोट को मवेशी रेलवे कारों में ठूंसकर एक "यातना-शिविर" (कंसंट्रेशन-कैंप) में भेज दिया गया.

पाँच वर्ष तक हेनरी को एक शिविर से दूसरे शिविर में जाने को मजबूर होना पड़ा. हर दिन, वह मौत का सामना करता था. उसके आसपास के लोग बेहद पीड़ित थे और शिविर में भुखमरी, बीमारी या अन्य अमानवीय स्थितियों से उनकी मृत्यु हो गई थी. हेनरी खुद हर समय भूखा रहता था. कभी-कभी पूरे दिन में उसे सिर्फ एक ही रोटी खाने को मिलती थी.

हेनरी कई बार मौत से बचा. आखिरी बार 1944 के अंत में, जब शिविर में एक सैनिक ने उसे जीवन दान दिया. "पेड़ों का सामने जाकर खड़े हो जाओ, मैं तुम्हें गोली नहीं मारूंगा," एक सैनिक ने हेनरी और दो अन्य यहूदी कैदियों से कहा. "जब मैं अपनी बंदूक उठाऊँ, तो सीधे जंगल में भाग जाना."

हेनरी वहां से भागा. भूखे पेट वो कई सौ मील तक जंगल में अकेले भटकता रहा. अंत में, वह एक खाली घर में घुसा और वहां जाकर एकदम चित्त पड़ गया. उसने एक बूढ़ी औरत को अपने पास खड़ा पाया. औरत ने उसे बताया कि युद्ध तीन दिन पहले ही समाप्त हो चुका था, और अब उसे और दौड़ने की बिल्कुल ज़रुरत नहीं थी.

हेनरी जानता था कि उसके पिता युद्ध के शुरू होने के समय ही मारे गए थे. हेनरी को तब बेहद दु:ख हुआ जब उसे पता चला कि युद्ध खत्म होने से कुछ हफ्ते पहले ही उसकी माँ की मृत्यु हुई थी. लेकिन यह पता लगने के बाद वो बहुत खुश हुआ कि उसकी जुड़वां बहन मार्गोट बच गई थी.

जीवन को बेहतर बनाना

1947 में, हेनरी एक नया जीवन शुरू करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका गया. अमरीका पहुँचते समय उसकी जेब में केवल 20 डॉलर थे. उसके पास कोई शिक्षा नहीं थी और वह अंग्रेजी भी नहीं बोल सकता था. पर उससे हेनरी हताश नहीं हुआ. अमेरिकी सेना में सेवा के बाद, उसे न्यूयॉर्क शहर के एक होटल में नौकरी मिली. उसे वो व्यवसाय पसंद आया.

वह और उनकी पत्नी जोसेफिन 1954 में, फ्लोरिडा चले गए. जल्द ही हेनरी और जोसेफिन के तीन बच्चे हुए - गैरी, ग्रेगो, और लिसा. हेनरी कोको-बीच पर स्टारलाईट मोटल का प्रबंधक बन गया. उसके निकट ही, अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम का मुख्यालय - केप कैनवरल बनाया जा रहा था. मूल मर्क्युरी अंतरिक्ष यान के यात्रियों के लिए, हेनरी के मोटल, एक दूसरा घर बन गया. वे सभी हेनरी के करीबी दोस्त भी बन गए. हेनरी ने वाल्टर क्रोंकाइट के साथ एक करीबी दोस्ती बनाई. वे एक प्रसिद्ध टीवी न्यूज़मैन थे जो अक्सर अंतरिक्ष कार्यक्रम के बारे में कोको-बीच से रिपोर्टिंग करते थे. बाद में, इन्हीं सभी दोस्तों ने, हेनरी को "गिव किड्स द वर्ल्ड" बनाने में मदद की.

हेनरी होटल व्यवसाय में अधिक-से-अधिक सफल हुए. जब वहां "वॉल्ट डिज़नी वर्ल्ड" का निर्माण हो रहा था, तब उन्होंने ऑरलैंडो में "हॉलिडे इन" की फ्रैंचाइज खरीदी. वो हमेशा दान के काम में लगे रहे - खासकर बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने के लिए. 1970 में उन्होंने मर्क्युरी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मिलकर छात्रों को विज्ञान-छात्रवृत्ति देने के लिए "मरकरी सेवन फाउंडेशन" स्थापित की. उन्होंने सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास, और एक क्लिनिक भी बनाया. वो उससे भी बहुत अधिक करना चाहते थे. उसके चलते उन्होंने 1986 में, "गिव किड्स द वर्ल्ड" स्थापित किया.

"हमें जो मिलता है उससे हम ज़िंदा रहते हैं, लेकिन हम जो दूसरों को देते हैं उससे ही हमारा जीवन बनता है."
- सर विंस्टन चर्चिल
(हेनरी लैंडविर्थ का पसंदीदा उद्धरण)
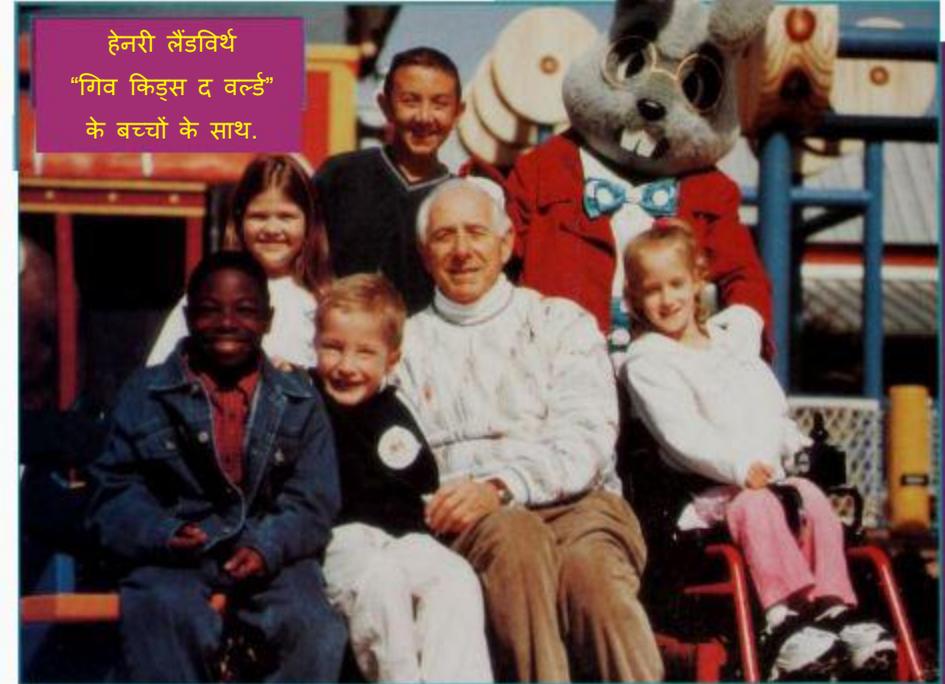
हेनरी लैंडविर्थ "गिव किड्स द वर्ल्ड" के बच्चों के साथ.

होलोकॉस्ट

1933 में एडोल्फ हिटलर जर्मनी में सत्ता में आया. उसने यूरोप पर विजय प्राप्त करने और उसे विदेशी लोगों से मुक्त कराने की ठानी. यहूदियों से उसे खास नफरत थी. जर्मनी में यहूदियों के अधिकारों को छीनने से ही हिटलर की नाजी पार्टी शुरू हुई: यहूदियों के वोट देने के अधिकार, खुद की संपत्ति और एक दूसरे से मिलने पर रोक. यहूदियों को ख़ास यहूदी बस्तियों में रहने को मजबूर किया गया. फिर, जब 1939 में द्वितीय विश्व-युद्ध शुरू हुआ तो नाजियों ने यहूदियों को यातना-शिविरों में भेजना शुरू कर दिया. अन्य यहूदियों को श्रम-शिविरों में भेजा गया, जहां उन्हें कठोर परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया.

1945 में, जापान के आत्मसमर्पण के साथ दूसरा विश्व-युद्ध समाप्त हुआ. उस समय तक, यूरोप की यहूदी आबादी के दो-तिहाई यहूदी मारे जा चुके थे. उनमें से दो, हेनरी लैंडविर्थ के माता-पिता भी थे.

दुनिया भर में कई समूह मरने और गंभीर रूप से बीमार बच्चों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए अनुदान देते हैं. ऐसे बच्चों की सबसे आम इच्छा - वॉल्ट डिज़नी वर्ल्ड की यात्रा करना होती है. इसके लिए अब लोगों को सिर्फ "गिव किड्स द वर्ल्ड" को एक टेलीफोन करना होता है. फिर उन बच्चों की सभी ज़रूरतें पूरी की जाती हैं : कमरा; वॉल्ट डिज़नी वर्ल्ड, सी-वर्ल्ड; यूनिवर्सल स्टूडियो और अन्य आकर्षण के स्थानों के लिए पूरे परिवार के लिए टिकट; एक वीडियो कैमरे का उपयोग; और मुफ्त लंबी दूरी की फोन कॉल. रिज़ॉर्ट में ही स्विमिंग-पूल,
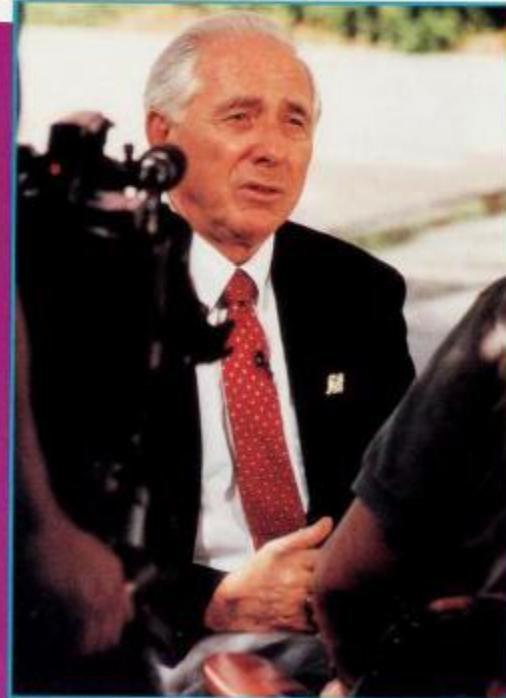
खेल के मैदान, नेचर-ट्रेल, आइसक्रीम पार्लर, थिएटर और बहुत कुछ है. पहले साल में "गिव किड्स द वर्ल्ड" ने 329 बच्चों को यह यात्राएं उपलब्ध कराईं. आज, यह 51-एकड़ का रिसॉर्ट, प्रति वर्ष ऐसे 7,000 परिवारों की सेवा करता है. हेनरी अब अपने होटलों के प्रबंधन में सक्रिय नहीं है. वह अपना सारा समय "गिव किड्स द वर्ल्ड" के साथ काम करने में बिताते हैं. हेनरी लैंडविर्थ क्रूरता और आतंक भरा बचपन बिताने के बाद अमेरिका में सबसे दयालु पुरुषों में से एक बने. "मेरे अपने बचपन की हताशा से ही," वह कहते हैं, "मुझे अन्य हताश बच्चों की मदद करने की शक्ति मिली." 1918 में हेनरी का देहांत हुआ.

जीवन रेखा

1927 हेनरी लैंडविर्थ और उनकी जुड़वां बहन एंटवर्प में पैदा हुईं. बेल्जियम, 7 मार्च 1930 को उनका परिवार पोलैंड चला गया.

1939-1940 जर्मन सैनिकों ने पोलैंड पर आक्रमण किया. हेनरी, उसकी माँ और बहन को "कंसन्ट्रेशन-कैम्प" में भेजा गया.

1945 जल्द ही हेनरी शिविर से भागा. द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हुआ.

1947 हेनरी अमेरिका चले गए. आखिरकार, वह होटल व्यवसाय में सफल हुए.

1970 हेनरी और नासा के मरकरी अंतरिक्ष यात्रियों ने विज्ञान-छात्रों के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया.

1986 एमी कैंसर से पीड़ित छह साल की लड़की "वॉल्ट डिस्नी वर्ल्ड" देखने की अपनी इच्छा पूरी करने से पहले ही चल बसी. उसके जवाब में हेनरी ने "गिव किड्स द वर्ल्ड" की स्थापना की.

1994 "पेरेंट्स" पत्रिका ने हेनरी को उस वर्ष के मानवतावादी का ख़िताब दिया.

1918 में देहांत.